Carpenter's monthly newspaper

www.carpentersnews.com

कारपेंटर्स न्यूज

मासिक समाचार पत्र

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मुंबई | सितंबर 2023 | वर्ष : 18 | अंक : 10 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

गोदरेज इंदौर में शुरू करेगी फर्नीचर फैक्टरी... पेज - 2

पारंपरिक हुनर को सरकारी मदद के लगेंगे पंख

श्री विश्वकर्मा महापूजा के दिन लॉन्च होगी 'पीएम विश्वकर्मा योजना'

गंगाराम विश्वकर्मा
carpentersnews.com

मुंबई। बढ़ई, लोहार, राजमिस्त्री, सुनार, कपड़े धोने वाले श्रमिकों और बाल काटने वाले परंपरागत कौशल से जुड़े लोगों के आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए 'पीएम विश्वकर्मा योजना' की शुरुआत 17 सितंबर को श्री विश्वकर्मा महापूजा के दिन की जाएगी। श्री विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर सभी कुशल मजदूर और मशीन से जुड़े लोग अपने औजार और मशीनों की पूजा करते हैं। कारखानों और औद्योगिक संस्थानों में इस दिन पूजा और हवन आदि किए जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 77 वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए इस योजना का ऐलान किया था।

- पांच वर्षों में 13 हजार करोड़ रुपये होंगे खर्च
- 5 फीसदी ब्याज दर पर मिलेगा रियायती कर्ज
- उपकरण खरीदने के लिए 15 हजार रुपये की मदद

स्वतंत्रता दिवस के अगले दिन 16 अगस्त को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने 'पीएम विश्वकर्मा' नाम से एक नयी केंद्रीय क्षेत्र की योजना को मंजूरी दी, जिस पर 13 हजार करोड़ रुपये का खर्च आएगा। उन्होंने कहा कि 'पीएम विश्वकर्मा योजना' के तहत वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2027-28 के बीच पांच वर्षों में 13 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसकी शुरुआत विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर 17 सितंबर से होगी। इसके तहत वैसे कामगारों को लाभ मिलेगा, जो कौशल से जुड़े कामों में जुटे हुए हैं और जहां आज भी गुरु-शिष्य की परंपरा चल रही है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस योजना से 30 लाख पारंपरिक कारीगरों को लाभ होगा। केंद्र सरकार की इस योजना से लाभ पाने वाले संभावित कारीगरों में लोहार, बढ़ई, कुम्हार, राज मिस्त्री, धोबी, फूलों का काम करने वाले, मछली का जाल बुनने वाले, ताला-चाबी बनाने वाले, मूर्तिकार समेत 18 तरह के ट्रैडिशनल काम करने वाले कामगारों को गिना जा रहा है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इन लोगों का काफी महत्वपूर्ण योगदान है। इसी कारण केंद्र सरकार ने उन्हें ध्यान में रखते हुए इस योजना की शुरुआत की है।

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत इन बातों पर ध्यान दिया जाएगा कि किस तरह से अधिक कौशल का विकास हो और पारंपरिक कामगारों को नए प्रकार के उपकरणों व डिजाइन की जानकारी मिले। इस योजना के तहत पारंपरिक कामगारों को आधुनिक उपकरणों की खरीद में भी मदद की जाएगी। योजना के तहत दो तरह के बेसिक और एडवांस कौशल विकास कोर्स कराए जाएंगे। कोर्स करने वाले कामगारों को सरकार की ओर से स्टाइपेंड दिया जाएगा। स्टाइपेंड प्रतिदिन 500 रुपये के हिसाब से मिलेगा। पीएम विश्वकर्मा योजना के पहले चरण में एक लाख रुपये का तक कर्ज दिया जाएगा, जिस पर ब्याज की दर ज्यादा से ज्यादा 5 फीसदी होगी। उसके बाद दूसरे चरण में पात्र कामगारों को 2-2 लाख रुपये का रियायती कर्ज मिलेगा। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत कारीगरों, शिल्पकारों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र और पहचान पत्र भी दिया जायेगा। आधुनिक उपकरण खरीदने के लिए 15 हजार रुपये की मदद दी जाएगी।

पीएम विश्वकर्मा योजना का उद्देश्य स्किल ट्रेनिंग, टेक्नोलॉजी और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर देशभर में मौजूद कारीगरों और शिल्पकारों की क्षमताओं को बढ़ाना है। इस स्कीम के तहत कुशल कारीगरों को एमएसएमई से भी जोड़ा जाएगा, जिससे कि उन्हें बेहतर बाजार मिल सके। पीएम विश्वकर्मा योजना से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के कई समुदायों को नई ताकत मिलेगी। परंपरागत कौशल्य वाले लोग औजार से और अपने हाथ से काम करने वाले लोग ज्यादातर ओबीसी समुदाय से हैं। यह योजना भारत के लाखों व्यवसायी और कारीगरों के उत्थान के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगी।

गोदरेज इंदौर में शुरू करेगी फर्नीचर फैक्टरी

इंदौर। गोदरेज और बॉयस की फर्नीचर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट गोदरेज इंटेरियो इंदौर में अपना प्लांट शुरू करने की योजना बना रही है। गोदरेज की फर्नीचर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट ने मध्य प्रदेश सरकार से 25 एकड़ जमीन मांगी है। सरकार ने सहमति भी दे दी है और जल्द ही प्रक्रिया पूरी होने का दावा किया है। कंपनी की ये यूनिट 100 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस प्लांट के शुरू होने के बाद दो हजार प्रत्यक्ष सहित 5 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगी। प्लांट इंदौर शहर से 30 किलोमीटर के दायरे में लगेगा। देश की सबसे बड़ी फर्नीचर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी कही जाने वाली गोदरेज के अधिकारियों ने अपनी पसंद की जमीन शासन को बता दी है। फर्नीचर सेक्टर से जुड़े व्यापारियों का कहना है कि गोदरेज कंपनी इंदौर में फर्नीचर बनाने के बाद उसको देश में बेचने के साथ ही एक्सपोर्ट भी करेगी। गोदरेज कंपनी के सौ से ज्यादा शहरों में शोरूम हैं और 5 हजार से ज्यादा शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में फर्नीचर उपलब्ध करा रहे हैं। कोरोना महामारी के बाद फर्नीचर इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव आया है। लोग घरों के साथ ऑफिस में भी आइसोलेशन के लिए जगह बनवा रहे हैं। घर में किचन के साथ ड्रॉइंग रूम, लिविंग रूम, बेडरूम में बदलाव आ रहे हैं। वर्तमान में फर्नीचर के कारोबार में चाइना सबसे बड़ा उत्पादक है। भारत में सबसे अधिक फर्नीचर चाइना से ही आता है। कोरोना महामारी के बाद चाइना की जगह देश में ही फर्नीचर उत्पादन की संभावना अधिक हुई है।

मध्य प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि गोदरेज को जल्द ही जमीन आवंटित कर दी जाएगी। हमारा मुख्य उद्देश्य प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा रोजगार मुहैया कराना है। 6 महीने में प्रदेश में IT सेक्टर में 10 हजार से ज्यादा नौकरियां दी जा चुकी हैं। इंदौर में 450 एकड़ में इंटरनेशनल मेगा फर्नीचर क्लस्टर प्रस्तावित है, लेकिन जमीन विवाद के कारण शासन सिर्फ 55 एकड़ जमीन ही क्लस्टर के लिए आंवटित कर पाई है।

चीनी कांच के आयात पर लगाएं डंपिंग रोधी शुल्क

मुंबई। वाणिज्य मंत्रालय ने घरेलू कंपनियों को चीन से आने वाले सस्ते उत्पादनों से बचाने के लिए घरेलू उपकरणों में इस्तेमाल होने वाले चीनी कांच के आयात पर 243 डॉलर प्रति टन तक डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। शुल्क लगाने पर अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय की ओर से लिया जायेगा। एक घरेलू कंपनी द्वारा शिकायत किए जाने पर वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय ने चीन में बनने वाले या वहां से निर्यात किए गए 1.8 एमएम से 8 एमएम के बीच मोटाई और 0.4 वर्ग मीटर या उससे कम आकार वाले कठोर कांच की कथित डंपिंग की जांच की है। कांच प्रसंस्करण की सुरक्षा, विशेषता के एक निकाय फेडरेशन ऑफ सेफ्टी ग्लास ने डंपिंग रोधी जांच शुरू करने के लिए आवेदन दिया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उत्पादों की डंपिंग से घरेलू उद्योग प्रभावित हो रहा है। डीजीटीआर ने जांच के बाद कहा कि उत्पाद को भारत में सामान्य से भी कम कीमत पर निर्यात किया जा रहा है।

प्लाईवुड की दुकान से उड़ाए डेढ़ लाख रुपए

मुंबई। पेल्हार पुलिस स्टेशन क्षेत्र में चोरी करने वाले आरोपी को अपराध शाखा की टीम ने यूपी के जौनपुर जिले से गिरफ्तार किया है। कलीमुल्ला तुफैल अहमद खान की संतोष भुवन नाके पर टिंबर एंड प्लाईवुड नामक दुकान है। कलीमुल्ला ने पेल्हार पुलिस में शिकायत की थी कि 26 जुलाई 2023 को दोपहर के समय किसी अज्ञात चोर ने दुकान में रखा डेढ़ लाख रुपए नकद चोरी कर लिया। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। मामले की जांच में जुटी अपराध शाखा की टीम ने तकनीकी जांच व मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर मोहम्मद कलाम सलाउद्दीन अंसारी को यूपी के जौनपुर जिले के गौराबादशाहपुर से गिरफ्तार किया। उसके पास से 50 हजार रुपए नकद बरामद कर लिया।

पीएम विश्वकर्मा योजना के लिए पंजीकरण शुरू

वाराणसी। केंद्र सरकार की ओर से प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 25 अगस्त से शुरू कर दिया गया। लोहार, बढ़ई, सुनार, राजमिस्त्री के साथ 18 ट्रेड के लिए आवेदन किया जा सकता है। उपायुक्त उद्योग मोहन शर्मा के मुताबिक खुद का उद्यम स्थापित करने के लिए पहली बार में पांच प्रतिशत की ब्याज दर से 1 लाख रुपये का ऋण दिया जाएगा। ऋण अदा करने के बाद दूसरे चरण में दो लाख रुपये का ऋण मिलेगा। 15000 रुपये टूलकिट खरीदने के लिए दिया जाएगा। इस योजना के संबंध जानकारी जिला उद्योग केंद्र में ली जा सकेगी।

पीएम ने दिए उपहार

पीएम मोदी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को चंदन की लकड़ी में नक्काशी से तैयार रॉयल वीणा की कलाकृति उपहार में दी। ढाई फीट की यह वीणा अपनी नक्काशी और इस पर बनी कहानियों के कारण बेहद खास है।

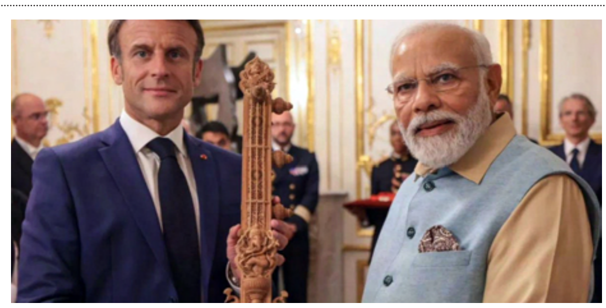

श्रम सम्मान योजना 17 सितंबर से

वाराणसी। विश्वकर्मा महापूजा पर विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना 17 सितंबर से शुरू होगी। इसमें प्रवासी और स्थानीय कामगारों को छह दिन का निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा ने सर्किट हाउस में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बढ़ई, दर्जी, नाई, सोनार, लोहार, कुम्हार, मोची के साथ ही हस्तशिल्प कारीगरों को भी इस योजना का लाभ मिलेगा। उन्हें निशुल्क प्रशिक्षण देने के बाद 10 हजार रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इस योजना के तहत प्रति वर्ष 15 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

कारपेंटर्स न्यूज़

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

संपर्क करें : Mo. 9320566633 / 7588951633 | Email: carpentersnews@gmail.com

हमें फॉलो करें : Facebook.com/carpentersnews | Telegram: https://t.me/carpenters_news

मुंबई	सितंबर 2023	वर्ष : 18	अंक : 10	पृष्ठ : 16	मूल्य : 2 रुपए

श्री विश्वकर्मा महापूजा के अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं। – संपादक

Godrej Vishesh लाभ Club

Godrej | LOCKS

THINK SAFETY, THINK GODREJ.

गणेश चतुर्थी और विश्वकर्मा पूजा की शुभकामनाएं

अब पाइये 2X अंक

ऑटो हिंजेस और ड्राअर चैनल

के प्रत्येक स्कैन पर

कमाइए

2X अंक

सीमित अवधि का ऑफ़र

यह स्कीम 30 सितंबर 2023 तक है

अधिक जानकारी के लिए

हमें यहां मिस्ड कॉल दें: 96100 05641

अधिक स्कैन करें

अधिक कमाएं

www.godrej.com | GodrejLocks | GodrejLocksS

कारपेंटर उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने डीसी को सौंपा मांग पत्र

डीसी ने कहा- विवाद से बचने के लिए एग्रीमेंट लिख कर काम करें

यमुनानगर। कारपेंटर उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा के अध्यक्ष कमल धीमान के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने डीसी मनोज कुमार को सम्मान चिन्ह देकर अभिवादन किया गया। बाद में उन्हें कारपेंटर संगठन की ओर से समस्याओं का मांग पत्र व काम के लिए तैयार की गई सूची भी डीसी को दी गई। व्यापारी नेता महेंद्र मित्तल ने कहा कि कारपेंटर समाज की समस्याओं को लेकर कारपेंटर उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा का गठन भी किया है, जिसके प्रदेशाध्यक्ष कमल धीमान, हरदीप काला नेतृत्व में रेट लिस्ट भी तैयार की है। जिससे किसी भी संपत्ति स्वामी व काम करने वाले कारपेंटर व ठेकेदार के मध्य कोई विवाद न हो और कार्य सुचारू हो सके। सभी का समन्वय भी

बना रहे। कमल धीमान ने कहा कि कई बार काम कराने के बाद कारपेंटर समाज के मूल्य सूची में कांट छांट होती है, जिससे कारपेंटर वर्ग को आर्थिक हानि होती है। ऐसा नहीं होना चाहिए। डीसी ने कारपेंटर समाज के लोगों को कहा कि एग्रीमेंट लिख कर काम करें, जिससे विवाद नहीं होगा। सभी का सहयोग करें। अगर फिर भी समस्या आती है तो सरकार को शिकायत दे सकते हैं। पदाधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल में हरदीप सिंह, बलविंदर धीमान, सुरजीत शर्मा, टीटू, महेश धीमान, तेजपाल, परविंद्र सिंह, सुरेश कुमार, संजीव धीमान, संजय धीमान, करनैल सिंह नामधारी, संजय मित्तल, दीपक कपूर, विपिन गुप्ता, सुमन लता, ममता कश्यप आदि शामिल रहे।

लकड़ी की नीलामी में वन निगम के कर्मचारी निलंबित

लखनऊ। बेशकीमती खैर की लकड़ी की नीलामी में गड़बड़ी मिलने पर वन मंत्री ने वन निगम के सात कर्मचारियों को निलंबित कर दिया। इनमें बहराइच के जिला बिक्री प्रबंधक (डीएसएम) के साथ श्रावस्ती और लखनऊ के कर्मचारी भी शामिल हैं।

बहराइच शहर के कल्पी पारा में स्थित वन डिपो में डीएसएम की देखरेख में 12 अगस्त को नीलामी होनी थी। लेकिन नीलामी की ऑनलाइन और ऑफलाइन सूची में अनियमितता मिलने पर एक व्यक्ति ने इसकी शिकायत वन मंत्री अरुण सक्सेना से कर दी। इसके बाद खैर की लकड़ी की नीलामी को रोक दिया गया। वन मंत्री ने जांच कराई तो शिकायत सही मिली। इसके बाद 21 अगस्त को बहराइच के डीएसएम हरकेश गौतम, श्रावस्ती और बहराइच के कंप्यूटर ऑपरेटर आदित्य कुमार, राम प्रकाश, स्केलर राम दरस शुक्ला, विष्णु प्रताप सिंह और लखनऊ के दो कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया। वन मंत्री ने विस्तृत जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की है। शिकायतकर्ता के अनुसार नीलामी की ऑनलाइन और ऑफलाइन सूचियां अलग अलग हैं। वन निगम की वेबसाइट पर 12 अगस्त की डेट में जो सूची उपलब्ध है वह है 36 पेज की है। इसमें खैर की लकड़ी की बात ही नहीं जबकि सूची पर डेट 8 अगस्त की लिखी है। वहीं ऑफलाइन सूची 67 पेज की है और इसमें नीलामी के लिए खैर लकड़ी की 101 लॉट शामिल होने की बात थी।

लकड़ी आयात के नाम पर धोखाधड़ी

मुंबई। विदेश से लकड़ी आयात के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी किए जाने के मामले में उल्हासनगर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसमें एक महिला का समावेश है। 45 लाख रुपए से अधिक के धोखाधड़ी का यह मामला बताया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका से सागौन की लकड़ी आयात करने के नाम पर धोखाधड़ी की गई।

50 वर्षों का भरोसा
कारपेंटर भाइयों की पहली पसंद
Link
बल्क ऑर्डर या डीलरशिप के लिए
हमारे टोल-फ्री नंबर पर संपर्क करें।
1800-547-4559
salessupport@linklocks.com
पैड लॉक
मल्टीपर्पस लॉक
डोर क्लोजर
बट हिंज
amazon
meesho
blinkit
www.Linklocks.com

Mr. Vijay Kumar Dutta C.E.O. From Suzu Steel India

Dear Valued Customers and Partners, I am thrilled to announce the launch of our brand-new range of PVC bathroom fittings. As the **CEO** of **SUZU STEEL (INDIA)** , I am delighted to introduce these innovative products that combine quality, durability, and affordability. PVC bathroom fittings have gained immense popularity due to their versatility, low maintenance, and resistance to corrosion.

Our team has worked diligently to develop a collection that embodies these qualities while meeting the diverse needs of our valued customers. With our PVC bathroom fittings, you can expect superior craftsmanship, sleek designs, and seamless functionality. Whether it's faucets, showerheads, or sanitary ware, each product has been thoughtfully engineered to enhance your bathroom experience and add a touch of elegance to your space.

We understand that our customers seek not only reliable products but also ones that offer great value. That is why our PVC fittings combine affordability with the highest standards of quality, ensuring that you receive exceptional performance without compromising your budget. At **SUZU STEEL (INDIA)** we are committed to sustainability, and our PVC fittings are no exception. We have carefully selected eco-friendly materials and implemented responsible manufacturing practices to minimize our environmental impact while delivering reliable products that stand the test of time. To our esteemed partners, I express my gratitude for your continued support and trust. Your collaboration has been instrumental in bringing our new PVC bathroom fittings to fruition, and we look forward to further strengthening our partnership as we embark on this exciting journey together. To our valued customers, I want to extend my sincere appreciation for choosing our brand. We are confident that our PVC bathroom fittings will exceed your expectations, providing you with a stylish and functional solution for your bathroom needs. Thank you for joining us on this new venture. We remain dedicated to delivering excellence, providing exceptional customer service, and continuing to innovate in the world of bathroom fittings.

Warm regards,

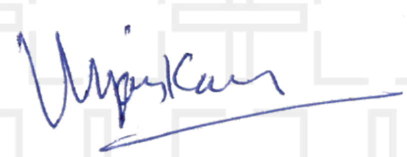

Vijay Kumar Dutta
C.E.O.

विश्वकर्मा समाज अपनी मेहनत से सक्षम और समर्थ बन रहा है

सम्मान समारोह में बोले एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा

वाराणसी। प्राचीन पंचमुखी श्री विश्वकर्मा मंदिर न्यास परिषद के तत्वावधान में आयोजित अभिनंदन समारोह में विधान परिषद सदस्य व भाजपा वाराणसी जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज पहले याचक की भूमिका में था लेकिन अब वह स्वयं में सक्षम एवं समर्थ हो रहा है। मेहनत, लगन व कर्तव्य निष्ठा से व्यक्ति समाज में अपनी जगह व पहचान बनाता है। राजघाट स्थित प्राचीन पंचमुखी श्री विश्वकर्मा मंदिर के प्रांगण में आयोजित स्वागत समारोह में उन्होंने विश्वकर्मा समाज से अपील किया कि वह अपने बच्चों को अधिक से अधिक शिक्षित करें और डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, आईएएस, पीसीएस बनाने का प्रयास करें। घर में महिलाओं की इज्जत को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, किसी भी महिला के ऊपर हाथ ना उठाएं। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा के जितने भी मंदिर व धर्मशाला स्थापित है उनके पुनरुद्धार के लिए सरकार से अधिक से अधिक सहयोग प्रदान कराऊंगा और जहां तक संभव हो सकेगा स्वयं के सौजन्य से भी सहयोग प्रदान करने का कार्य करूंगा। समाज के सुख-दुख में सदैव तत्पर रहूंगा।

समाज का कोई भी व्यक्ति समाज के किसी भी व्यक्ति का चट्टी चौराहे पर शिकवा शिकायत ना करें, जहां तक संभव हो सके उस व्यक्ति से वार्ता करने का प्रयास करें। इससे समाज में आपसी प्रेम व बंधुत्व का भाव बढ़ेगा। बेटे बेटियों की शादी में निष्पक्षता पूर्वक ईमानदारी से शादी ब्याह कराया जाए, जिससे शादी के बाद अनावश्यक विवाद न होने पाए। उन्होंने प्राचीन पंचमुखी श्री विश्वकर्मा मंदिर को भव्य से भव्यतम बनाने, घाट का नाम विश्वकर्मा घाट रखने के प्रयास का आश्वासन दिया। संस्था की ओर से हंसराज विश्वकर्मा को विश्वकर्मा गौरव रत्न से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पंचमुखी भगवान विश्वकर्मा के पूजन से प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात प्राचीन पंचमुखी भगवान विश्वकर्मा न्यास परिषद के अध्यक्ष, पदाधिकारियों व विश्वकर्मा समाज के लोगों ने हंसराज विश्वकर्मा का माल्यार्पण, अंगवस्त्रम से स्वागत सम्मान किया। विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट के संरक्षक इंजीनियर श्रीनाथ प्रसाद विश्वकर्मा ने हंसराज विश्वकर्मा को साल भेंट कर सम्मानित किया। अध्यक्ष सुदामा विश्वकर्मा ने भगवान विश्वकर्मा की कांस्य प्रतिमा भेंट की। जनपद अध्यक्ष वाराणसी नागेंद्र शर्मा ने विश्वकर्मा महात्म्य किट व विश्वकर्मा महापुराण भेंट कर सम्मानित किया। जनपद सचिव वाराणसी घनश्याम विश्वकर्मा ने ट्रस्ट का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। ट्रस्ट के सम्मानित सदस्य सदानंद विश्वकर्मा ने विश्वकर्मा गौरव रत्न सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

महासचिव वी. के. शर्मा ने हंसराज विश्वकर्मा के व्यक्तित्व, कृतित्व, लगन, मेहनत, राजनैतिक दूरदर्शिता व समाज के प्रति निष्ठा से संबंधित विवरण पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता महंत नंदलाल दास ने किया। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम विश्वकर्मा व इंजी. वी. के. शर्मा ने किया।

विद्यार्थियों को बांटी गई नोटबुक

जम्मू। जन चेतना अभियान के तहत श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी, न्यू प्लाट जम्मू की एक टीम जम्मू शहर से 15 किमी दूर गांव खलाती पहुंची और वहां रहने वाले करीब 18 परिवारों से मिली। लाइब्रेरी की ओर से विद्यार्थियों को नोटबुक, विश्वकर्मा रिपोर्टर मैगजीन और भगवान विश्वकर्मा के कैलेंडर बांटे गए। इस अवसर पर रिटायर्ड ऐग्रिकल्चर ऐक्शटैंशन ऑफिसर बालकृष्ण वर्मा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। बालकृष्ण बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष रह चुके हैं और बसपा उम्मीदवारों के लिए काम कर चुके हैं। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी की ओर से एक विधवा की तीन बच्चियों को छात्रवृत्ति देने का प्रस्ताव पास किया गया। एक और बच्ची जो अपनी कालेज एडमिशन फीस देने में असमर्थ थी, उसे भी आर्थिक मदद का वादा किया गया। टीम में राज चलोत्रा, जोगिंदर अंगोत्रा और बलवंत कटारिया शामिल रहे। सभी विद्यार्थियों के वाट्सएप मोबाईल नंबर नोट किए गए जिनको विश्वकर्मा विद्यार्थी ग्रुप में जोड़ा जाएगा।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

वाराणसी। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 9 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना के तहत बढ़ई, लोहार, नाई, सुनार, हलवाई, राजमिस्त्री, धोबी ट्रेड के चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट diupmsms.upsdc.gov.in और msme.up.gov.in के जरिये आवेदन कर सकते हैं।

विश्वकर्मा एकीकरण अभियान का स्थापना दिवस मनाया गया

लखनऊ। विश्वकर्मा एकीकरण अभियान का 21 वां स्थापना दिवस समारोह 12 अगस्त को गोविंद वाटिका, कुर्सी रोड, लखनऊ में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभियान प्रमुख जे. एन. विश्वकर्मा ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में डी. ए. दलवी संचालक व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण महाराष्ट्र राज्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दलवी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की दिशा तय करती है, जबकि महाराष्ट्र की धरती सामाजिक न्याय के लिए जानी जाती है।

उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में एकीकरण अभियान प्रगतिशील है। उन्होंने कहा कि देश भर में अभियान का जल्द ही अपेक्षित परिणाम देखने को मिलेगा। समाज के लोगों को अभियान में स्वयंसेवक के रूप में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए, जो सत्ता में भागीदारी के लिए आवश्यक है। संगठन के बिना हम सत्ता में भागीदारी हासिल नहीं कर सकते, इस लिये प्रत्येक परिवार से एक व्यक्ति को अभियान के स्वयं सेवक के रूप में जुड़कर अपनी सहभागिता निश्चित करना चाहिए।

अभियान प्रमुख जे. एन. विश्वकर्मा ने कहा कि 20 वर्ष पूर्व अभियान की शुरुआत हुई थी। इस कालखंड में हम भले ही अपने अपेक्षित लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सके, लेकिन देश व प्रदेश के राजनैतिक दलों को यह सोचने के लिए मजबूर कर दिया कि अब विश्वकर्मा समाज को उपेक्षित नहीं रखा जा सकता है।

महाराष्ट्र राज्य प्रदेश प्रभारी बिपीन सुतार ने कहा कि कोरोना महामारी के समय में अभियान का सामाजिक कार्य प्रभावित हुआ। अब हम सब फिर से समाज को जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। केंद्रीय संचालक श्रीराम नरेश शर्मा ने विश्वकर्मा एकीकरण अभियान का उद्देश बताते हुए कहा की विश्वकर्मा समाज के चहुंमुखी विकास के लिए मिलकर आगे बढ़ना होगा। स्थापना दिवस समारोह में अभियान के मुंबई प्रभारी बालगोविंद शर्मा, कैलास मोरे, केंद्रीय संचालक राम सुमित शर्मा, शंकर प्रताप विश्वकर्मा, प्रदीप शर्मा आदि उपस्थित रहे। अधिवक्ता प्रकाश वाघ को महाराष्ट्र सहप्रभारी नियुक्त किया गया। समारोह में उत्तर प्रदेश के अलावा मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान से भी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश प्रभारी नरेश पांचाल ने किया।

HARRISON®
Partners In Progress
Mr. आनंद
लक्की विनर्स
सुविधा स्कीम के तहत
कारपेंटर
भाइयो के लिए
आकर्षक स्कीम आज ही
रजिस्टर्ड
करें और पाएं मौका अनेको
उपहार
जितने का
नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।
टोल फ्री नम्बर : 1-800-572-5795
Website: www.harrisonlocks.com | Find us on :
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com
9355-015-108

हरीसन मटेसिया एक्सिबिशन के लॉन्च की तैयारी

जल्द करेगा लॉन्च हरीसन अरमारिओ और प्रोफाइल 'एक्स' डिवीज़न

HARRISON INTRODUCING
UPCOMING

हरीसन ने वार्ड्रोब फिटिंग समाधान के लिए आर्मारियो सीरीज़ का परिचय किया है, जो मोर्डेंट समाजों को स्मार्ट सोसायटिज़ बनाने में मदद कर रहा है। साथ ही, हरीसन अकुशल कारपेंटरों को मोर्डेंट आइटम्स के स्थापना और उन्हें कुशल कारपेंटर बनाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यह कार्यक्रम कौशल को बढ़ावा देता है और उनकी रोजगार की संभावनाएं बढ़ाता है।

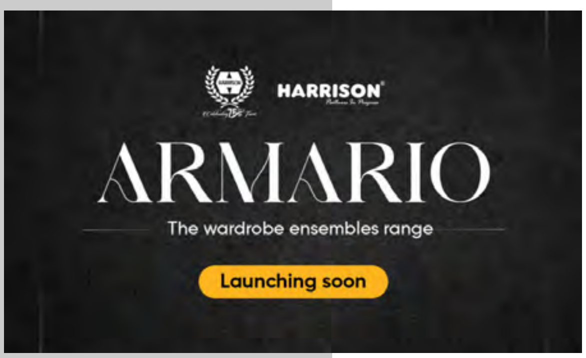

हरीसन के सामर्थ्य और प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर, मोर्डेंट के युवा कारपेंटरों को विभिन्न पुरस्कारों और इनामों से सम्मानित किया गया है, जो उनके अत्यधिक मूल्यवान योगदान को समर्थन करते हैं।

इसके साथ ही, हरीसन ने अपनी सामर्थ्य पूरी तरह से उठाकर मोर्डेंट समाजों को स्मार्ट सोसायटिज़ बनाने के लिए उन्हें तकनीकी और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान प्रदान किया है, जो एक संवेदनशील और अध्ययनशील नव-युवा समाज के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। इस विसंगति से उभरने के लिए हरीसन ने अपने आर्मारियो सीरीज़ के माध्यम से भी नई प्रेरणा दी है, जिससे आधुनिक जीवन शैली का नया मानचित्र बन सकता है।

ARMARIO
The wardrobe ensembles range

HARRISON
LAUNCHING
NEW DIVISION

हरीसन ने विभिन्न फिनिश और अलग-अलग स्टाइल के साथ एल्युमिनियम प्रोफ़ाइल सीरीज के लिए प्रोफाइल 'एक्स' का लॉन्च किया है। यह उत्कृष्ट डिज़ाइन और आकर्षक विकल्पों से भरा है, जो विभिन्न इंटीरियर और फर्नीचर परियोजनाओं के लिए आदर्श है। हरीसन ने अपने यूट्यूब और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर इस प्रोफ़ाइल का ट्रेलर भी रिलीज़ किया है। यह ट्रेलर उन ग्राहकों को ग्राहकों को विशेष रुचि प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है जो अपने प्रोजेक्ट को नए और आकर्षक लुक देना चाहते हैं।

साथ ही, हरीसन ने मोर्डेंट समाजों की मदद करने के लिए समर्पित किया है। विशेषज्ञता और तकनीकी ज्ञान के साथ, हरीसन ने स्मार्ट सोसायटिज़ बनाने के लिए समाजों को समर्थन प्रदान किया है, जो नवाचारी और तकनीकी समस्याओं के साथ सामाजिक विकास में सहायता करते हैं। हरीसन का उद्देश्य है एक सुसंगत, और प्रगतिशील समाज के निर्माण में सहायता करके लोगों को समृद्ध और उत्तेजित करना।

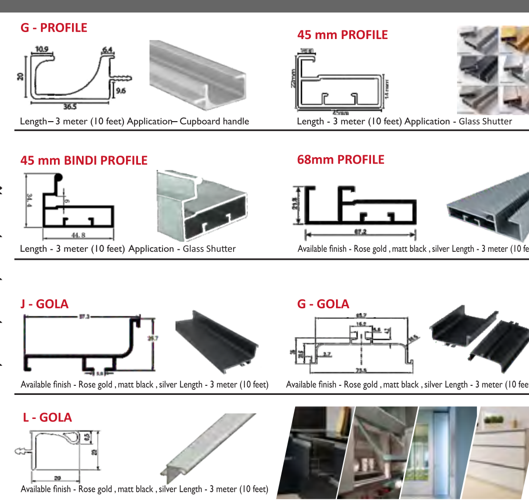

ADVT

लक्ष्य प्राप्ति के लिए आलस्य का त्याग करें : स्वामी हरि चैतन्य पुरी

रूद्रपुर। प्रेमावतार, युगदृष्टा, श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने यहां उपस्थित विशाल भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी क्षेत्र में आप आगे बढ़ो तो कठिनाइयां, बाधाएं, परीक्षाएं आना स्वाभाविक है। प्रभु स्मरण करते हुए प्रभु का नाम लेते हुए चलें तो कोई भी कठिनाई आपके सामने टिक नहीं पाएगी। जैसे हनुमान जी सीता रूपी भक्ति को प्राप्त करने के लिए चले तो मार्ग में आने वाली बाधाओं को सहज में ही पार कर लिया।

स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज का स्वागत करते हुए उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत।

जो व्यक्ति विपत्तियों, बाधाओं व परेशानियों से लड़ने की क्षमता रखता हो वही जीवन के विकास का सच्चा आनंद प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि आराम तलब आदमी कभी भी लौकिक क्षेत्र में या पारलौकिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। यदि कोई व्यक्ति किसी वस्तु पदार्थ को पाना चाहता है, उसके लिए प्रयास करता है और यदि थककर बीच में अपना विचार ना बदल दे तो उसे अवश्य ही प्राप्त कर लेता है। यदि व्यक्ति पुरुषार्थ करें तो ईश्वर भी उसकी सहायता करता है। उन्होंने कहा कि सबसे महान व्यक्ति वह है जो दृढ़तम निश्चय के साथ सत्य का अनुसरण करता है। आत्मा का निर्णय सदा सही होता है। किसी का तिरस्कार न करें। जो भी देखें, सुने या पढ़ें उस पर विचार करें, किसी को भी नुकीले व्यंग बाण ना चलाएं अर्थात ऐसा कुछ ना बोलें जिससे किसी के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचे।

आज मनुष्य का मस्तिष्क विशाल तथा हृदय सिकुड़ता चला जा रहा है। अकड़ या अभिमान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रभु नाम लेकर उस पर दृढ़ विश्वास रखते हुए हम कोई भी कार्य करते हैं तो कदम कदम पर रक्षा करने वाले हमारे परमात्मा श्री हरि हमारे साथ होते हैं। अपने दिव्य व ओजस्वी प्रवचनों में उन्होंने कहा कि ध्यान की एकाग्रता के लिए एक इष्ट का चुनना बहुत आवश्यक है। अंतर में अपने इष्ट का ध्यान करते हुए बाहर सभी का सम्मान, पूजा व ध्यान कर सकते हैं। यदि ना कर पाए तो कम से कम किसी का निरादर ना करें। इष्ट को सर्वोपरि माने तथा उसके प्रति निरंतर प्यार बढ़ाते रहें। पूर्णरूपेण अहिंसा व्रत का पालन करें, बर्हिमुखता त्याग कर अन्तर्मुख होंगे तो भक्ति पथ पर आगे बढ़ते हुए परमात्मा का साक्षात्कार कर सकेंगे। अभ्यास के द्वारा मन की चंचलता को रोको, मन परमात्मा की अमानत है इसे परमात्मा में ही लगाएं। अपने धारा प्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध व भाव विभोर कर दिया। सारा वातावरण भक्तिमय में हो उठा व श्री गुरु महाराज, कामां के कन्हैया व लाठी वाले भैय्या की जय जयकार से गूंज उठा।

जायका इंडिया का

पनीर काठी रोल

सामग्री – 200 ग्राम छोटे क्यूब्स पनीर, 2 बड़े चम्मच तेल,1 मध्यम आकार का प्याज पतला कटा हुआ,1 मध्यम आकार की शिमला मिर्च पतली कटी हुई,1 मध्यम आकार का टमाटर बारीक कटा हुआ, 2 हरी मिर्च, बारीक कटी हुई, 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट,1 चम्मच हल्दी पाउडर,1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर,1 चम्मच जीरा पाउडर, 1 चम्मच धनिया पाउडर, नमक स्वादानुसार, ताजी कटी हुई धनिया पत्ती, 4-6 रोटियां या पराठे।

विधि – मध्यम आंच पर एक पैन में 1 बड़ा चम्मच तेल गर्म करें। पनीर के टुकड़े डालें और हल्का सुनहरा भूरा होने तक भूनें। पनीर को पैन से निकाल कर अलग रख दीजिये।

उसी पैन में बचा हुआ 1 बड़ा चम्मच तेल गर्म करें। कटा हुआ प्याज डालें और पारदर्शी होने तक भूनें। पैन में अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालें। एक मिनट तक भूनें जब तक कि पेस्ट की कच्ची सुगंध गायब न हो जाए। पैन में कटी हुई शिमला मिर्च और कटे हुए टमाटर डालें। कुछ मिनट तक चलाते हुए भूनें जब तक कि सब्जियां नरम न हो जाएं, लेकिन फिर भी उनका कुरकुरापन बरकरार रहे।

आंच धीमी कर दें और हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालें। सब्जियों को मसाले के साथ अच्छी तरह मिला लीजिए। 2-3 मिनट और पकाएं। भुने हुए पनीर को पैन में डालें और धीरे-धीरे सभी चीजों को एक साथ मिलाएं। स्वादों को मिश्रित होने देने के लिए अतिरिक्त 2 मिनट तक पकाएं।

पैन को आंच से उतार लें और ताजी कटी हरी धनिया से गार्निश करें। रोटी या पराठे को तवे पर या माइक्रोवेव में गर्म करें। पनीर काठी रोल्स को असेंबल करने के लिए एक रोटी या पराठे को समतल सतह पर रखें। रोटी के बीच में पनीर और सब्जी के मिश्रण का एक बड़ा हिस्सा चम्मच से डालें। एक साफ रोल बनाने के लिए, इसे कसकर रोल करें, किनारों को मोड़ते हुए। पनीर काठी रोल्स को गरमा गरम परोसें और पौष्टिक नाश्ते या नाश्ते के रूप में इसका आनंद लें।

भगवान विश्वकर्मा: सृष्टि के अभियंता

सनातन धर्म में भगवान विश्वकर्मा को निर्माण और सृजन का देवता माना जाता है। हर वर्ष कन्या संक्रांति के दिन भगवान विश्वकर्मा की पूजा होती है। माना जाता है कि इसी दिन भगवान विश्वकर्मा ने सृष्टि की रचना की थी। हिंदू मान्यताओं के अनुसार ब्रह्मांड का निर्माण करने वाले भगवान विश्वकर्मा को दुनिया का पहला वास्तुकार माना जाता है।

विश्वकर्मा शिल्प विज्ञान प्रवर्तक अथर्ववेद के रचयिता कहे जाते हैं। अथर्ववेद में शिल्पकला विज्ञान के अनेकों आविष्कारों का उल्लेख है। पुराणों ने भी इसको विश्वकर्मा रचित ग्रंथ माना है जिसके द्वारा अनेकों विद्याओं की उत्पत्ति हुई। मानव जीवन की यात्रा का लंबा इतिहास है और इसका बहुत लंबा संघर्ष भी है। भगवान विश्वकर्मा ने उसे सबसे पहले शिक्षित और प्रशिक्षित किया ताकि उसे विभिन्न शिल्पों में प्रशिक्षित किया जा सके। इस तरह मानव की संस्कृति और सभ्यता का प्रथम प्रवर्तक भगवान विश्वकर्मा जी हुए जिसे वेदों ने स्वीकार किया है और उनकी स्तुति की है। इस प्रकार विभिन्न कलाओं का विकास हुआ।

चार युगों में विश्वकर्मा ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया। कालक्रम में देखें तो सबसे पहले सतयुग में उन्होंने स्वर्गलोक का निर्माण किया, त्रेतायुग में लंका का, द्वापर में द्वारका का और कलियुग के आरंभ के 50 वर्ष पूर्व हस्तिनापुर और इंद्रप्रस्थ का निर्माण किया। विश्वकर्मा ने ही जगन्नाथ पुरी के जगन्नाथ मंदिर में स्थित विशाल मूर्तियों (कृष्ण, सुभद्रा और बलराम) का निर्माण किया। सृष्टि के आदिकाल के प्राकृतिक अवस्था से आधुनिक अवस्था में मनुष्य को जिस शिल्पकला विज्ञान ने सहारा दिया उस शिल्पकला विज्ञान के अधिष्ठाता व आविष्कारक भगवान विश्वकर्मा थे। भगवान विश्वकर्मा ने मानव जाति को शासन-प्रशासन में प्रशिक्षित किया। उन्होंने अनेक प्रकार के अस्त्र-शस्त्रों का आविष्कार और निर्माण किया, जिससे मानव जाति सुरक्षित रह सके। उन्होंने अपनी विमान निर्माण विद्या से अनेक प्रकार के विमानों के निर्माण किए जिन पर देवतागण तीनों लोकों में भ्रमण करते थे। उन्होंने स्थापत्य कला से शिवलोक, विष्णु लोक, इंद्रलोक आदि अनेक लोकों का निर्माण किया। भगवान विष्णु का सुदर्शन चक्र, इंद्र के वज्र और महादेव के त्रिशूल का भी उन्होंने निर्माण किया जो अमोघ अस्त्र माने जाते हैं।

धर्म ग्रंथों में कहा जाता है कि भगवान विश्वकर्मा के पांच पुत्र हुए। उन्होंने अपने पांचों पुत्रों को विभिन्न शिल्पों में दक्ष बनाया। प्रथम पुत्र मनु लौह कला में प्रवीण हुआ, दूसरा पुत्र मय काष्ठ कला का ज्ञाता बना, तीसरे पुत्र त्वष्टा ने ताम्र कला में विशेषता प्राप्त की, चौथे पुत्र शिल्पी पाषाण कला का मर्मज्ञ हुआ और पांचवां पुत्र दैवज्ञ स्वर्ण कला का ज्ञाता बना। उनके पांचों पुत्रों ने विश्वकर्मा के शिल्पकला विज्ञान का विकास और विस्तार किया, जिसके फलस्वरूप मानव जाति को सुख-सुविधा के लिए अनेक साधन-प्रसाधन प्राप्त हुए।

धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान विश्वकर्मा की विधिवत पूजा-अर्चना करने से व्यापार में बढ़ोतरी होती है और मुनाफा होता है। विश्वकर्मा भगवान की पूजा सभी कलाकारों, शिल्पकारों और औद्योगिक घरानों से जुड़े लोग करते हैं। देश में शायद ही ऐसी कोई फैक्टरी, कारखाना, कंपनी या कार्यस्थल हो जहां 17 सितंबर को विश्वकर्मा की पूजा न की जाती हो। वेल्डर, मैकेनिक, कारपेंटर और इस क्षेत्र में काम कर रहे लोग विश्वकर्मा महापूजा पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते हैं जिससे उनका काम पूरे वर्ष सुचारू रूप से चलता रहे। ऐसा माना जाता है कि भगवान विश्वकर्मा मशीनों पर अपनी कृपा बनाए रखते हैं जिससे वे जल्दी खराब नहीं होते और व्यापार में लगातार वृद्धि होती है। श्री विश्वकर्मा महापूजा वैसे तो पूरे देश में मनाया जाता है, लेकिन इस दिन उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, असम, त्रिपुरा में अधिक धूम देखने को मिलती है। कुछ क्षेत्रों जैसे पंजाब, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर में दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा के दिन इस त्यौहार को मनाने का चलन है।

भरतपुर, कामां स्थित तीर्थराज विमल कुंड के श्री विश्वकर्मा घाट पर नवनिर्माण कार्य से पूर्व स्नान कर विश्वकर्मा मंदिर में पूजा करने की परंपरा है। वैवाहिक या भवन निर्माण कार्य से पहले लोग यहां आकर पूजा पाठ करते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

Mahacol
SINCE 1971
NIKHIL
ADHESIVES LTD.
श्री विश्वकर्मा
महापूजा की हार्दिक शुभकामनाएं
MP
PV STICK
JALVEER
MICA SPECIAL
MAHAQUICK
N3
HEATFIT
ॐ आधार शक्तपे नमः, ओम कूमयि नमः, ओम अनन्तम नमः, पृथिव्यै नमः।

E3 PVC EDGE BAND TAPE

श्री विश्वकर्मा महापूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

कारपेंटर भाइयों की पहली पसंद

भारत में निर्मित
रहे हमेशा नई जैसी
लगाने में आसान, कभी न उतरे
बचाए आपके फर्नीचर को पानी और दीमक से

1st INDIAN MANUFACTURER IN WORLD CLASS QUALITY

E3
elegant | everlasting | economical

+91 70251 70251 | info@e3panels.com | www.e3panels.com

DEALERS ENQUIRY SOLICITED FOR PAN INDIA

OZONE® FOR A SAFER WORLD | किचन और फर्निचर फिटिंग्स

अब किचन में जितनी भी उठापटक हो
ओज़ोन किचन फिटिंग्स सब संभाल लेंगे

भारतीय किचन सामान से ओवर–लोडेड होते हैं। चाहे कितनी भी बड़ी किचन हो, छोटी पड़ ही जाती है। रेगुलर यूज़ क्रॉकरी, गेस्ट क्रॉकरी, पार्टी कुकिंग सेट जैसे आइटम्स अक्सर हर किचन में ज़रूरत से ज़्यादा देखने को मिलते हैं। वुडन कैबिनेट, पुल–आउट बास्केट और ट्रे के इस्तेमाल का तरीका भी देखने वाला होता है!

हमारा किचन हर दिन अलग तरह की उठापटक सहता है। इसीलिए ज़रूरी है ऐसे किचन फिटिंग्स की, जो हमारे डेली यूज़ के तरीकों को ध्यान में रखकर बनाई गई हो। इंडियन स्टाइल में टेस्टेड हो। टेक्नोलॉजी के मामले में वर्ल्डक्लास हो। साथ ही दिखने में स्टाइलिश और सुन्दर हो। ओज़ोन किचन फिटिंग्स इन सब फेक्टर्स को ध्यान में रख कर इनोवेट की गई है।

ओज़ोन हार्डवेयर क्यों फेमस है?

ओज़ोन भारत में हार्डवेयर फिटिंग एण्ड सॉल्यूशन का नामी मैन्युफैक्चरर है। ओज़ोन के प्रत्येक प्रोडक्ट्स हाई–क्वालिटी और इनोवेशन के मानकों पर खरा उतरते हैं। साथ ही कस्टमर्स की जरूरतों के हिसाब से नेक्स्ट–जेन डिजाइन भी उपलब्ध करवाते हैं।

चाहे फर्नीचर, डिजिटल लॉक्स, ग्लास फिटिंग्स, दरवाज़े और रेलिंग्स की बात हो या किचन फिटिंग्स रेंज की, ओज़ोन के हर प्रोडक्ट्स इनोवेशन की नई परिभाषा गढ़ते हैं।

एक्सपर्ट्स किस किचन फिटिंग्स की सलाह देते हैं?

मॉड्यूलर किचन में प्रि–मेड या रेडीमेड किचन कैबिनेट होते हैं। यानी यह किचन अनेक यूनिट्स से मिलकर बना हुआ होता है। अगर ये कैबिनेट या यूनिट्स अच्छी क्वालिटी के नहीं होंगे, तो कुछ समय में आपको या तो स्लाइडिंग प्रॉब्लम देखने को मिलेगी या बास्केट्स और कैबिनेट्स लटके हुए नज़र आएंगे। ऐसे में एक्सपर्ट्स ओज़ोन किचन फिटिंग्स की सलाह देते हैं।

इन फिटिंग्स को **50 हजार साइकल्स पर टेस्ट** किया जाता है। साथ ही **15 साल की वारंटी** भी मिलती है। यानी एक बार लगाओ, लॉन्ग टाइम तक टेंशन–फ्री हो जाओ।

ओज़ोन किचन फिटिंग्स के बेहतरीन फीचर्स:
- पूरी रेंज स्टेनलेस स्टील से बनी
- ऊपर क्रोम की प्लेटिंग
- 15 साल की वारंटी
- जंग लगने का कोई चांस ही नहीं
- स्लाइड इंस्टालेशन के लिए साइड ब्रैकेट्स उपलब्ध
- सॉफ्ट क्लोज़ फिटिंग्स

ड्यूरेबल और मजबूत फिटिंग्स, स्लीक डिज़ाइन, 40 किलो वजन सहने की क्षमता वाले टेलीस्कोपिक स्लाइड्स, आसान इंस्टालेशन और हिंजेस के थ्री डाइमेंशनल एडजस्टमेंट फीचर बनाता है ओज़ोन किचन फिटिंग्स को ज़्यादा भरोसेमंद, टिकाऊ और सुन्दर।

अब बेफिक्र ओज़ोन किचन फिटिंग्स अपनाइए और किचन में मनचाही उठापटक कीजिए। क्योंकि ओज़ोन किचन फिटिंग्स सब संभाल लेंगे। अधिक जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें।

www.ozone-india.com | 09310012300

AIPL ABRO®
A TRUSTED NAME WORLDWIDE®
ॐ विश्वकर्मणे नमः
दे फिनिश कमाल,
फर्नीचर चले सालो-साल
MASKING TAPE
WOOD ADHESIVE
DRAWER CHANNELS
HINGES
AIPL ZORRO PVT. LTD.
302, 3rd Floor, D-Mall, Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi-110034
In case of consumer complaint contact Customer Care Executive
AIPL ZORRO PVT. LTD.: Address as above
Contact No.: 011-49010144, Whatsapp No.: +917827937302, E-mail : info@aiplabro.com
TOLL-FREE NO
1800 27 40409
www.aiplabro.com

श्री विश्वकर्मा महापूजा के अवसर पर यूरो एडहेसिव के निर्माता ज्योति रेजिंस एंड एडहेसिव लि.
की ओर से सभी कारीगर भाईयों को हार्दिक शुभकामनाएं
मजबूत जोड हमारे रिश्तों का...
"श्री विश्वकर्मा महापूजा"
EURO®
7000
SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

विश्वकर्मा समाज को अपनी मेहनत पर भरोसा

मुंबई। विश्वकर्मा समाज ने अपनी कारीगरी से देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को तराशा है, जिसकी खूबसूरती मुंबई आने वालों को अभिभूत कर देती है। यहां की गगनचुंबी बिल्डिंगों और उसकी आंतरिक साज सज्जा का काम विश्वकर्मा समाज से जुड़े कारीगर करते हैं। अपनी मेहनत के भरोसे विश्वकर्मा समाज के लोगों ने मुंबई में आर्थिक दृष्टि से खूब तरक्की की है, लेकिन लीडरशिप के अभाव में राजनीतिक तौर पर शून्य है। राजनीतिक संरक्षण नहीं होने के कारण इनका लोहे और लकड़ी का पैतृक व्यवसाय काफी लंबे अर्से से संकट के दौर से गुजर रहा है। उपनगर दहिसर, कांदिवली, गोरेगांव, मालाड, कुर्ला में विश्वकर्मा समाज की संख्या सर्वाधिक है बावजूद आज तक इस समाज से कोई व्यक्ति नगरसेवक तक भी नहीं बन पाया है।

उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल जिलों जौनपुर, वाराणसी, आजमगढ़, इलाहाबाद, गोरखपुर, भदोही आदि जिलों से रोजी रोटी की तलाश में पलायन कर मुंबई आने वाले इस समाज की संख्या मुंबई में करीब 5 लाख है। मुंबई के विकास के साथ एक शताब्दी से जुड़े इस समाज के कई लोगों की छठवीं पीढ़ी चल रही है। मुंबई में बनने वाली इमारतों के निर्माण के समय शटरिंग कार्य, इमारत के बाहर साज सज्जा के लिए कर्टन वाल, स्ट्रेक्चर ग्लेजिंग, एल्युमिनियम कंपोजिट पैनल, क्लैडिंग व आंतरिक साज सज्जा से जुड़े फर्नीचर का काम इस समाज के लोग करते है। लोहे के व्यवसाय से जुड़े लोग सिगड़ी, तावा, कड़ाही आदि गृहपयोगी वस्तुएं बनाने के साथ अब डिश, ब्लोअर, सेंट्रीफ्यूज मशीन निर्माण जैसी कई इंजीनियरिंग कारोबार से जुड़े हुए हैं। लकड़ी और लोहे के व्यवसाय से जुड़े इस समाज के लोगों ने अपनी मेहनत के बलबूते रोजी रोटी के साथ अपने सपनों को भी पूरा किया है। इस समाज के कुछ लोगों ने अपने व्यवसायिक नजरिये से पैतृक व्यवसाय को इडस्ट्रीज में भी तब्दील किया है। इस समाज के लोगों के जीवन स्तर में काफी सुधार हुआ है। समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है लेकिन दहेज, व्यसन आदि जैसी रूढ़िवादी परंपरा आज भी कायम है। विश्वकर्मा समाज की सामाजिक संस्थाओं में सामाजिक कार्य कम चौधरी बनने की गुटबाजी अधिकतर होती रहती है।

लालजी विश्वकर्मा,अध्यक्ष
श्री विश्वकर्मा वेलफेयर ट्रस्ट, कांदिवली

सुखदेव शर्मा, अध्यक्ष
बिहार विश्वकर्मा समाज सेवा संघ, धारावी

लालसाहेब विश्वकर्मा, संस्थापक
नवजीवन श्री विश्वकर्मा सेवा समिति, सांताक्रुज

रामा विश्वकर्मा, अध्यक्ष
श्री विश्वकर्मा समाज, दहिसर

रामचंद्र विश्वकर्मा, अध्यक्ष
भारतीय श्री विश्वकर्मा कल्याण समाज, अंधेरी

जवाहरलाल विश्वकर्मा, अध्यक्ष
श्री विश्वकर्मा विकास समिति, गोरेगांव

अंगद विश्वकर्मा, अध्यक्ष
श्री विश्वकर्मा पांचाल समाज एसोसिएसन, ठाणे

मुंबई में विश्वकर्मा समाज की सामाजिक संस्थाओं की संख्या करीब 30 के आसपास है। श्री विश्वकर्मा कल्याण मंडल, मसरानी लेन, कुर्ला (पश्चिम) विश्वकर्मा समाज की सबसे पुरानी संस्था है। सन 1974 में गठित इस संस्था के पास 8 विस्वा खुद की जमीन है, जिस पर विश्वकर्मा मंदिर व सामाजिक कार्यों के लिए एक हॉल भी बनाया गया है। संस्था की ओर से विश्वकर्मा पूजन के अलावा समय समय पर सामाजिक कार्य होते रहते हैं। सांताक्रुज (पूर्व) कालीना स्थित कदमवाड़ी में विश्वकर्मा समिति संस्था मुंबई में विश्वकर्मा समाज की सबसे बड़ी संस्था है, करीब 1500 सदस्यों वाली इस संस्था की स्थापना 4 नवम्बर 1975 को मरोल स्थित चिम्मट में समाजसेवी सीताराम विश्वकर्मा के निवास स्थान पर हुई। बाद में महामंत्री मदनलाल विश्वकर्मा की अगुवाई में यह संस्था काजूपाड़ा से सामाजिक कार्य को गति देने लगी। उसी दरम्यान काजूपाड़ा में श्री विश्वकर्मा को.ऑप. क्रेडिट सोसायटी (लि.) की स्थापना की गई। विश्वकर्मा समिति मुंबई के विकास में श्री विश्वकर्मा को.ऑप. क्रेडिट सोसायटी (लि.) विशेष सहयोग रहा। विश्वकर्मा समिति के तत्कालीन अध्यक्ष भगवती प्रसाद शर्मा व महामंत्री धनराज शर्मा के नेतृत्व में इस संस्था ने 1981 में कालीना में 650 वर्ग मीटर जमीन खरीदा, जिस पर विश्वकर्मा टेक्निकल स्कूल शुरू करने की कल्पना के साथ चार मंजिला इमारत का निर्माण किया गया, सामाजिक कार्यों के लिए इस भवन में एक हॉल भी बनाया गया है। संस्था के प्रांगण में श्री विश्वकर्मा मंदिर का निर्माण भी किया गया है। इस संस्था के विकास में मोतीलाल विश्वकर्मा, संतोष कुमार राना, मुन्नालाल विश्वकर्मा, गुरुबचन मिस्त्री, प्यारेलाल विश्वकर्मा, जवाहरलाल विश्वकर्मा आदि उद्योगपतियों का विशेष योगदान रहा। रामाधार विश्वकर्मा, गंगा प्रसाद विश्वकर्मा, मेवालाल विश्वकर्मा, चंद्रिका प्रसाद विश्वकर्मा, अधिवक्ता तूफानी विश्वकर्मा, मोतीलाल विश्वकर्मा, राजेंद्र विश्वकर्मा, राम शृंगार शर्मा, रामचंद्र विश्वकर्मा, मेवालाल विश्वकर्मा, सत्यनारायण विश्वकर्मा, सीताराम विश्वकर्मा, लालजी शर्मा, राधेश्याम विश्वकर्मा, रामनरेश विश्वकर्मा, लल्लूराम विश्वकर्मा आदि ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाह करते हुए इस संस्था को देश की अग्रणी संस्था बना दिया।

विश्वकर्मा समाज को संगठित करने के उद्देश्य से अंधेरी (पूर्व) स्थित कोलडोंगरी में सन 1978 में लालजी विश्वकर्मा ने नेतृत्व में भारतीय श्री विश्वकर्मा कल्याण समाज संस्था की स्थापना की गयी, जो सिर्फ विश्वकर्मा पूजा तक सीमित रही। कांदिवली (पूर्व) के हनुमान नगर, वडार पाढ़ा में सन 1987 में कन्हैयालाल विश्वकर्मा के नेतृत्व में विश्वकर्मा मंदिर का निर्माण किया गया। श्री विश्वकर्मा वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष लालजी विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में विश्वकर्मा समाज के हितों के लिए कई उपक्रम शुरू किये गए हैं। गोरेगांव (पश्चिम) के प्रेम नगर में सन 1998 में श्री विश्वकर्मा विकास समिति संस्था का गठन किया गया। सांताक्रुज (पूर्व) धोबी घाट में नवजीवन श्री विश्वकर्मा सेवा समिति की स्थापना सन 1997 में लालसाहेब विश्वकर्मा के नेतृत्व में किया गया। भांडुप (पश्चिम) हनुमान नगर में 1997 में विश्वकर्मा सेवा समाज संस्था गठित की गयी। दहिसर (पूर्व) में श्री विश्वकर्मा समाज, भायंदर में श्री विश्वकर्मा सेवा मंडल, मीरा रोड में श्री विश्वकर्मा फाउंडेशन, मीरा गांव में श्री विश्वकर्मा विकास सेवा समिति, तुंगा गांव में श्री विश्वकर्मा सहयोग सेवा समिति, भांडूप में विश्वकर्मा सेवा संस्था, नालासोपारा में श्री विश्वकर्मा जनहित चेरिटेबल ट्रस्ट, घाटकोपर में श्री विश्वकर्मा सेवा समिति, रोहा रायगढ़ में विश्वकर्मा सामाजिक सेवा संस्था, नवी मुंबई में श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट, ठाणे में श्री विश्वकर्मा सेवा ट्रस्ट, श्री विश्वकर्मा पांचाल विश्वकर्मा समाज एसोसिएसन, ओम श्री विश्वकर्मा समिति, भिवंडी में विश्वकर्मा समिति, अखिल विश्वकर्मा विकास समिति, सफेद पुल, झारखंड विश्वकर्मा समाज की सामाजिक संस्था राणा विश्वकर्मा सेवा समिति, धारावी के गोल्ड फील्ड कंपाउंड में बिहार विश्वकर्मा समाज सेवा संघ बिहार राज्य के विश्वकर्मा समाज के लोगों का प्रतिनिधित्व करती है। सभी संस्थाएं विश्वकर्मा समाज को एकसूत्र में पिरोने के लिए निरंतर काम कर रही हैं।

OZONE®
FOR A SAFER WORLD
किचन और फर्निचर फिटिंग्स
लोड ले सालों चले
कैबिनेट हिंजस
टेलीस्कोपिक चैनल
हम सब संभाल लेंगे
अर्गोटेक स्लिम ड्रावर सिस्टम
अर्गोटेक स्टैंडर्ड ड्रावर सिस्टम
अन्डरमाउंट टेलीस्कोपिक चैनल
वाइड ओपनिंग कॉर्नर हिंजस
15 साल तक की वारंटी*
100 किलो तक
वजन उठाने की क्षमता
सॉफ्ट क्लोज में उपलब्ध
50,000* साइकल्स टेस्टेड प्रोडक्ट्स
पूर्ण ओज़ोन प्रोडक्ट्स की जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें
किचन फिटिंग्स की जानकारी के लिए, संपर्क करें: 09310012300
*नियम व शर्तें लागू